अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या
कोड नं० **69/SS/A**

स्तवकः/सेट **A**

वेदाध्ययनम्

वेद अध्ययन

(345)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. ....

2. ....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 69/SS/A, स्तवकः A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग), (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 69/SS/A, सेट A अवश्य लिखें।
7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

वेदाध्ययनम्

वेद अध्ययन

(345)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्]
परीक्षा का समय : तीन घंटे

[पूर्णाङ्काः — 100
पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4—इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [A] भाग में 20, [B] भाग में 15, [C] भाग में 6, [D] भाग में 6, [E] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) **A** भागे प्र. सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

भाग **A** में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(v) **B** भागे प्र. सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग **B** में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) **C** भागे प्र. सं. 36 तः 41 पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *30* तः *50* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **C** में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक प्रत्येक दो-दो अंक के अति लघूत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *30* से *50* शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(vii) **D** भागे प्र. सं. 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* तः *80* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघूत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *50* से *80* शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(viii) **E** भागे प्र. सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **E** में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *80* से *100* शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखिए।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर-पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जाँचिए कि क्या प्रश्न-पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखिए।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this Question Paper. The Question Paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the Question Paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] विंशतिप्रश्नानां (1–20) प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×20=20

निम्नलिखित बीस (1–20) प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

1. अथर्ववेदस्य इदम् अभिधानं नास्ति—

(क) ब्रह्मवेदः (ख) अङ्गवेदः

(ग) अथर्वाङ्गिरसवेदः (घ) अङ्गिरोवेदः

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

'अथर्ववेद' का नाम नहीं है

(क) ब्रह्मवेदः (ख) अङ्गवेदः

(ग) अथर्वाङ्गिरसवेदः (घ) अङ्गिरोवेदः

2. ब्राह्मणग्रन्थाः सर्वथा भवन्ति—

(क) पद्यात्मकाः (ख) गद्यात्मकाः

(ग) पद्यात्मकाः गद्यात्मकाश्च (घ) न पद्यात्मका गद्यात्मका वा

ब्राह्मणग्रन्थ हमेशा होते हैं

(क) पद्यात्मक (ख) गद्यात्मक

(ग) गद्यात्मक और पद्यात्मक (घ) गद्यात्मक और पद्यात्मक दोनों नहीं

3. अथर्ववेदे वर्णितानां विषयाणां विभाजनं कर्तुं शक्यते—

(क) द्विधा (ख) चतुर्धा

(ग) त्रिधा (घ) पञ्चधा

'अथर्ववेद' में वर्णित विषयों का विभाजन कर सकते हैं

(क) दो प्रकार से (ख) चार प्रकार से

(ग) तीन प्रकार से (घ) पाँच प्रकार से

4. पतञ्जलिना अथर्ववेदस्य कति शाखाः कथिताः?

(क) द्वे (ख) तिस्रः

(ग) पञ्च (घ) नव

पतञ्जलि ने 'अथर्ववेद' की कितनी शाखाओं का उल्लेख किया है?

(क) दो (ख) तीन

(ग) पाँच (घ) नौ

5. सुमन्तुः आसीत्—

(क) पराशरस्य शिष्यः (ख) विश्वामित्रस्य शिष्यः

(ग) वेदव्यासस्य शिष्यः (घ) वेदव्यासस्य पुत्रः

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

सुमन्त थे

(क) पराशर के शिष्य (ख) विश्वामित्र के शिष्य

(ग) वेदव्यास के शिष्य (घ) वेदव्यास के पुत्र

6. गोपथब्राह्मणं भवति—

(क) ऋग्वेदीयम् (ख) सामवेदीयम्

(ग) यजुर्वेदीयम् (घ) अथर्ववेदीयम्

गोपथब्राह्मण होता है

(क) ऋग्वेदीय (ख) सामवेदीय

(ग) यजुर्वेदीय (घ) अथर्ववेदीय

7. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

ब्राह्मणशब्दस्य अपरः अर्थो भवति—

(क) यज्ञः (ख) धर्मः

(ग) स्वाध्यायः (घ) कर्मः

'ब्राह्मण' शब्द का दूसरा अर्थ होता है

(क) यज्ञ (ख) धर्म

(ग) स्वाध्याय (घ) कर्म

8. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

ऐतरेयारण्यकं भवति—

(क) ऋग्वेदस्य (ख) सामवेदस्य

(ग) यजुर्वेदस्य (घ) अथर्ववेदस्य

ऐतरेय आरण्यक होता है

(क) ऋग्वेद का (ख) सामवेद का

(ग) यजुर्वेद का (घ) अथर्ववेद का

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9. वेदस्य मुखं भवति—

(क) शिक्षा (ख) कल्पः

(ग) छन्दः (घ) व्याकरणम्

वेद का मुख होता है

(क) शिक्षा (ख) कल्प

(ग) छन्द (घ) व्याकरण

10. ''ब्राह्मणेन निष्कारणो धर्मः षडङ्गो वेदोऽध्येयो ज्ञेयश्च'' इति केन उक्तम्?

(क) पाणिनिना (ख) पतञ्जलिना

(ग) कात्यायनेन (घ) भर्तृहरिणा

''ब्राह्मणेन निष्कारणो धर्मः षडङ्गो वेदोऽध्येयो ज्ञेयश्च''—यह किसने कहा?

(क) पाणिनि ने (ख) पतञ्जलि ने

(ग) कात्यायन ने (घ) भर्तृहरि ने

11. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

धातोः अन्तस्य कः स्वरः विधीयते?

(क) प्रचयः (ख) स्वरितः

(ग) अनुदात्तः (घ) उदात्तः

धातोः के अंत में किस स्वर का विधान है?

(क) प्रचय (ख) स्वरित

(ग) अनुदात्त (घ) उदात्त

12. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

फिट् इति कस्य संज्ञा?

(क) आगमस्य (ख) आदेशस्य

(ग) प्रातिपदिकस्य (घ) उपदेशस्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

फिट् किसकी संज्ञा है?

(क) आगम की (ख) आदेश की

(ग) प्रातिपदिक की (घ) उपदेश की

13. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

सुप्पितौ प्रत्ययौ भवतः —

(क) अनुदात्तौ (ख) उदात्तौ

(ग) स्वरितौ (घ) प्रचयौ

सुप्पितौ प्रत्यय होता है

(क) अनुदात्त (ख) उदात्त

(ग) स्वरित (घ) प्रचय

14. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

पूर्वे भूतपूर्वे इत्यनेन कः स्वरो विधीयते?

(क) प्रकृतिस्वरः (ख) उदात्तः

(ग) अनुदात्तः (घ) स्वरितः

पूर्वे भूतपूर्वे—इसमें किस स्वर का विधान है?

(क) प्रकृति स्वर (ख) उदात्त

(ग) अनुदात्त (घ) स्वरित

15. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

तिङ्ङतिङः इत्यनेन सूत्रेण तिङन्तस्य स्वरो भवति—

(क) मध्योदात्तः (ख) सर्वानुदात्तः

(ग) अन्तोदात्तः (घ) आद्युदात्तः

तिङ्ङतिङः—इस सूत्र में तिङन्त का स्वर होता है

(क) मध्य उदात्त (ख) सर्व अनुदात्त

(ग) अन्त उदात्त (घ) आदि उदात्त

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

16. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

गतौ परतः गतिः भवति—

(क) उदात्तः (ख) स्वरितः

(ग) अनुदात्तः (घ) प्रचयः

गति संज्ञक के परे गति संज्ञक होता है

(क) उदात्त (ख) स्वरित

(ग) अनुदात्त (घ) प्रचय

17. देवताद्वन्द्वे युगपत् उभे भवतः—

(क) अनुदात्तौ (ख) उदात्तौ

(ग) प्रकृतिस्वरौ (घ) प्रचयौ

'देवताद्वन्द्वे' पद में एक साथ होता है

(क) अनुदात्त (ख) उदात्त

(ग) प्रकृति स्वर (घ) प्रचय

18. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

तित्प्रत्ययस्य कः स्वरो भवति?

(क) उदात्तः (ख) अनुदात्तः

(ग) प्रचयः (घ) स्वरितः

'तित्' प्रत्यय का कौन-सा स्वर होता है?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त

(ग) प्रचय (घ) स्वरित

19. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

ऋग्वेदस्य प्रथमं सूक्तं किमस्ति?

(क) देवीसूक्तम् (ख) अक्षसूक्तम्

(ग) इन्द्रसूक्तम् (घ) अग्निसूक्तम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

'ऋग्वेद' का प्रथम सूक्त क्या है?

(क) देवीसूक्त (ख) अक्षसूक्त

(ग) इन्द्रसूक्त (घ) अग्निसूक्त

20. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

विश्वतः इत्यत्र प्रत्ययो भवति—

(क) तसिल् (ख) त्रल्

(ग) मतुप् (घ) घञ्

विश्वतः—यहाँ प्रत्यय होता है

(क) तसिल् (ख) त्रल्

(ग) मतुप् (घ) घञ्

[B] पञ्चदशप्रश्नानां (21–35) यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×15=30

निर्देशानुसार (21–35) पंद्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

21. मेलनं कुरु—

(i) शतपथब्राह्मणम्

(ii) ऐतरेयब्राह्मणम्

(क) शुक्लयजुर्वेदीयम्

(ख) कृष्णयजुर्वेदीयम्

(ग) सामवेदीयम्

(घ) ऋग्वेदीयम्

मिलान कीजिए :

(i) शतपथब्राह्मण

(ii) ऐतरेयब्राह्मण

(क) शुक्लयजुर्वेदीय

(ख) कृष्णयजुर्वेदीय

(ग) सामवेदीय

(घ) ऋग्वेदीय

22. मेलनं कुरु—

(i) अभ्यस्तानां स्वरविधायकं सूत्रम्

(ii) लिति इति सूत्रं भवति

(क) अभ्यस्तानामादिः

(ख) अनुदात्ते च

(ग) अनुदात्तस्वरविधायकम्

(घ) उदात्तस्वरविधायकम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

मिलान कीजिए :

(i) अभ्यस्तानां स्वरविधायक सूत्र है

(क) अभ्यस्तानामादि

(ख) अनुदात्ते च

(ii) लिति—यह सूत्र होता है

(ग) अनुदात्तस्वरविधायक

(घ) उदात्तस्वरविधायक

23. मेलनं कुरु—

(i) उञ्छादीनां च

(क) अन्तोदात्तः

(ख) आद्युदात्तः

(ii) क्षयो निवासे

(ग) आद्युदात्तः

(घ) अन्तोदात्तः

मिलान कीजिए :

(i) उञ्छादीनां च

(क) अन्त उदात्त

(ख) आदि उदात्त

(ii) क्षयो निवास

(ग) आदि उदात्त

(घ) अन्त उदात्त

24. मेलनं कुरु—

(अ) *(i)* वृषादिगणपठिताः शब्दाः भवन्ति

(क) अन्तोदात्ताः

(ख) आद्युदात्ताः

(ii) तवैप्रत्ययान्तस्य स्वरविधायकं सूत्रम्

(ग) अन्तश्च तवै

(घ) अन्तश्च तवै युगपत्

अथवा

(ब) *(i)* अक्षस्यादेवनस्य

(क) अन्तोदात्तः

(ख) आद्युदात्तः

(ii) सुगन्धितेजनाः

(ग) सुगन्धितेजनस्य ते वा

(घ) वा सुगन्धितेजनस्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

मिलान कीजिए :

(अ) *(i)* वृषादिगणपठिताः शब्द होते हैं — (क) अन्त उदात्त

(ख) आदि उदात्त

(ii) तवैप्रत्ययान्तस्य स्वर-विधायक सूत्र है — (ग) अन्तश्च तवै

(घ) अन्तश्च तवै युगपत्

अथवा

(ब) *(i)* अक्षस्यादेवनस्य — (क) अन्त उदात्त

(ख) आदि उदात्त

(ii) सुगन्धितेजनाः — (ग) सुगन्धितेजनस्य ते वा

(घ) वा सुगन्धितेजनस्य

25. मेलनं कुरु—

(i) चित्प्रत्ययानां स्वरो भवति — (क) अन्तोदात्तः

(ख) आद्युदात्तः

(ii) तद्धितस्य — (ग) चितः तद्धितस्य अन्तोदात्तः स्यात्

(घ) चितः तद्धितस्य आद्युदात्तः स्यात्

मिलान कीजिए :

(i) चित् प्रत्यय में स्वर होता है — (क) अन्त उदात्त

(ख) आदि उदात्त

(ii) तद्धित का — (ग) चितः तद्धितस्य अन्तोदात्तः स्यात्

(घ) चितः तद्धितस्य आद्युदात्तः स्यात्

26. मेलनं कुरु—

(i) अग्निः इत्यत्र निप्रत्ययस्य उदात्तो भवति — (क) अन्तोदात्तश्च

(ख) आद्युदात्तश्चः

(ii) यज्ञस्य इत्यत्र स्य इत्यस्य अनुदात्तो भवति — (ग) आद्युदात्तश्च

(घ) अनुदात्तौ सुप्पितौ

मिलान कीजिए :

(i) 'अग्नि' शब्द से नि प्रत्यय के विधान से उदात्त होता है — (क) अन्तोदात्तश्च

(ख) आद्युदात्तश्च

(ii) 'यज्ञ' शब्द से/का स्य प्रत्यय का अनुदात्त होता है — (ग) आद्युदात्तश्च

(घ) अनुदात्तौ सुप्पितौ

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

निर्देश : निम्नलिखितवाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनोतु।
निम्नलिखित वाक्य पढ़कर सत्य और असत्य चुनिए।

27. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—
किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) अग्निमीळे इत्यत्र अकारः उदात्तः। (सत्यम्/असत्यम्)
अग्निमीले—इसमें यहाँ अकार उदात्त है। (सत्य/असत्य)

(ब) ईकारस्य उपरि विद्यमाना रेखा स्वरितस्य सूचिका। (सत्यम्/असत्यम्)
ईकार के ऊपर विद्यमान रेखा स्वरित की सूचिका (संकेतिका) है। (सत्य/असत्य)

(स) उदात्तस्य कृते किमपि चिह्नं नास्ति। (सत्यम्/असत्यम्)
उदात्त के कृत में कोई भी चिह्न नहीं होता। (सत्य/असत्य)

28. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—
किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) यज्धातोः नङि षष्ठ्येकवचने यज्ञस्य इति रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)
यज् धातु में/से नङि षष्ठी एकवचन 'यज्ञस्य' रूप होगा। (सत्य/असत्य)

(ब) हूधातोः शतृप्रत्यये द्वितीयैकवचने होतारम् इति रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)
हू धातु में/से शतृ प्रत्यय द्वितीया एकवचन 'होतारम्' रूप होगा। (सत्य/असत्य)

(स) दिव्धातोः घञ्प्रत्यये द्वितीयैकवचने देवम् इति रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)
दिव् धातु में/से घञ् प्रत्यय द्वितीया एकवचन 'देवम्' रूप होगा। (सत्य/असत्य)

29. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—
किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) अक्षसूक्तं वर्तते ऋग्वेदे। (सत्यम्/असत्यम्)
अक्षसूक्त 'ऋग्वेद' में है। (सत्य/असत्य)

(ब) मिथ्-धातोः लिटि प्रथमपुरुषैकवचने मिमेथ इति रूपं जायते। (सत्यम्/असत्यम्)
मिथ् धातु में/से लिटि प्रथमपुरुष एकवचन 'मिमेथ' रूप होगा। (सत्य/असत्य)

(स) न जानीमो नयता बद्धमेतम् इति मन्त्रांशो वर्तते अक्षसूक्ते। (सत्यम्/असत्यम्)
मंत्रांश "न जानीमो नयता बद्धमेतम्" अक्षसूक्त में है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

30. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) पर्जन्यसूक्तं वर्तते ऋग्वेदस्य पञ्चममण्डले। (सत्यम्/असत्यम्)

पर्जन्यसूक्त 'ऋग्वेद' के पाँचवें मण्डल में है। (सत्य/असत्य)

(ब) पर्जन्यसूक्तस्य ऋषिः भवति अत्रिः। (सत्यम्/असत्यम्)

पर्जन्यसूक्त के ऋषि अत्रि हैं। (सत्य/असत्य)

(स) 'मनुमत्स्यकथा' वर्तते सामवेदे। (सत्यम्/असत्यम्)

'मनुमत्स्यकथा' 'सामवेद' में है। (सत्य/असत्य)

31. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) शिवसङ्कल्पसूक्तस्य ऋषिः भवति विश्वामित्रः। (सत्यम्/असत्यम्)

शिवसङ्कल्पसूक्त के ऋषि विश्वामित्र हैं। (सत्य/असत्य)

(ब) आत्मा मनसा संयुज्यते। (सत्यम्/असत्यम्)

आत्मा मन से जुड़ती है। (सत्य/असत्य)

(स) प्रजापतिसूक्तं वर्तते कृष्णयजुर्वेदे। (सत्यम्/असत्यम्)

प्रजापतिसूक्त 'कृष्णयजुर्वेद' में है। (सत्य/असत्य)

32. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) नमस्ते रुद्र ______ उतो तऽइषवे नमः। बाहुभ्यामुत ते नमः।।

नमस्ते रुद्र ______ उतो तऽइषवे नमः। बाहुभ्यामुत ते नमः।।

(ब) दूरङ्गमं ज्योतिषां ______ तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ______ तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।

33. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) अच्छा वद तवसं गीर्भिराभिः स्तुहि पर्जन्यं ______ विवास।

अच्छा वद तवसं गीर्भिराभिः स्तुहि पर्जन्यं ______ विवास।

(ब) तस्यावनेनिजानस्य मत्स्यः ______ आपेदे।

तस्यावनेनिजानस्य मत्स्यः ______ आपेदे।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

34. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—
उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) अग्निर्होता ______ सत्यश्चित्रश्रवस्तमः।
अग्निर्होता ______ सत्यश्चित्रश्रवस्तमः।

(ब) अग्ने यं यज्ञमध्वरं ______ परिभूरसि।
अग्ने यं यज्ञमध्वरं ______ परिभूरसि।

35. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—
उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) अक्षैर्मा ______ कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमानः।
अक्षैर्मा ______ कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमानः।

(ब) सा नो भूतस्य भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं ______ नः कृणोतु।
सा नो भूतस्य भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं ______ नः कृणोतु।

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×6=12
निर्देशानुसार छह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

36. "सर्वोपनिषदो गावो" इति श्लोकः कुत्र प्राप्यते? सम्पूर्णं श्लोकं लिखत। **अथवा** उपनिषच्छब्दस्यार्थं लिखत।
"सर्वोपनिषदो गावो"—यह श्लोक कहाँ प्राप्त होता है? सम्पूर्ण श्लोक लिखिए। **अथवा** 'उपनिषद्' शब्द का अर्थ लिखिए।

37. कति वेदाङ्गानि? तेषां नामानि लिखत। **अथवा** कानि वेदाङ्गानि? तेषामध्ययनप्रसङ्गे पतञ्जलिना किमुक्तम्?
वेद के कितने अङ्ग (भाग) हैं? उनके नाम लिखिए। **अथवा** वेद के अङ्ग कौन-कौन से हैं? उनके अध्ययन के विषय में पतञ्जलि ने क्या कहा है?

38. अनुदात्ते च इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत।
अनुदात्ते च—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

39. कर्षात्वतो घञोऽन्त उदात्तः अनेन सूत्रेण किं भवति? **अथवा** अस्य सूत्रस्य अर्थमुदाहरणं च लिखत।
कर्षात्वतो घञोऽन्त उदात्तः—इस सूत्र से क्या होता है? **अथवा** कर्षात्वतो घञोऽन्त उदात्तः सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

40. अग्निः कैः स्तुतः? यज्ञेषु केषाम् आह्वानम् अग्निः करोति?
अग्नि किसके द्वारा स्तुति योग्य है? यज्ञ में अग्नि किसका आह्वान करती है?

41. पर्जन्यदेवः यदा पृथिवीं जलेन सिञ्चति तदा किं किं भवति?
पर्जन्यदेव जब पृथिवी को जल से सिंचित करते हैं, तब क्या-क्या होता है?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छह लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

42. छान्दोग्योपनिषदमाश्रित्य समासेन टीकां लिखत।

'छान्दोग्य उपनिषद्' पर आधारित एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

43. अशितः कर्ता इति सूत्रं वा व्याख्यात।

अशितः कर्ता—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

44. वयसि अर्थे ज्येष्ठकनिष्ठयोः शब्दयोः स्वरविधायकं सूत्रं लिखित्वा स्वरनिर्देशं कुरुत।

वयसि अर्थे ज्येष्ठकनिष्ठयोः शब्द में स्वर-विधायक सूत्र लिखकर स्वरनिर्देश कीजिए।

45. वा भुवनम् इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत।

वा भुवनम्—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

46. उपत्वाग्ने दिवेदिवे इति मन्त्रं पूरयित्वा अर्थं लिखत।

उपत्वाग्ने दिवेदिवे मन्त्र पूरा लिखकर अर्थ लिखिए।

47. पर्जन्यसूक्तस्य कः ऋषिः, का च देवता? सूक्तेऽस्मिन् कति छन्दांसि सन्ति?

पर्जन्यसूक्त का ऋषि कौन है और देवता कौन है? सूक्त में छंद कितने हैं?

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 5×4=20

चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

48. व्याकरणशास्त्रस्य उपयोगितां वर्णयत।

व्याकरणशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

49. चतुर्थी तदर्थे इति सूत्रस्य व्याख्यां लिखत।

चतुर्थी तदर्थे सूत्र की व्याख्या कीजिए।

50. सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपः इत्यस्य मन्त्रस्य अर्थं लिखत।

सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपः—इस मन्त्र का अर्थ लिखिए।

51. सरमापणिसंवादसूक्तस्य सारं लिखत।

सरमापणि संवाद सूक्त का सार लिखिए।

★★★

Unnati Educations
9899436384, 9654279279